विद्या- भवन, बालिका विद्यापीठ ,लखीसराय

नीतू कुमारी, वर्ग- पंचम, विषय- हिंदी

दिनांक–28-12-2021। एन.सी.ई.आर.टी पर आधारित

गृहकार्य-

कहानी पूरे मनोयोग से पढ़ें तथा समझने का प्रयास करें।

21 पुस्तक प्रेमी लिंकन

अमेरिका के राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन को पुस्तकें पढ़ने का बहुत शौक था। इस शौक के कारण उन्हें एक बार अपने शिक्षक से डाँट भी खानी पड़ी। कैसे? यह जानने के लिए इस रोचक पाठ को पढ़ो।

बहुत पहले की बात है। अमेरिका के एक गाँव डियाना में टॉमस लिंकन नाम का एक मजदूर रहता था। अब्राहम उसी मजदूर के पुत्र थे। एक गरीब मजदूर की संतान होकर भी अब्राहम बहुत विद्या-प्रेमी थे। उन्हें पुस्तकें पढ़ने का शौक था। खोज-खोजकर वे अच्छी-अच्छी पुस्तकें पढ़ते थे। कभी बीमार पड़ जाते, तो अपनी बहन से पुस्तक पढ़वाकर सुनते थे। वे उपहार में रुपए-पैसे के बजाय पुस्तकें लेना ही पसंद करते थे।

एक दिन अब्राहम ने अपने शिक्षक के पास अमरीका के प्रथम राष्ट्रपति जार्ज, वाशिंगटन की जीवनी देखी। उसने वह पुस्तक अपने शिक्षक से पढ़ने के लिए माँगी। शिक्षक सोच में पड़ गए। फिर कुछ सोचकर बोले, ''देखो अब्राहम, मैं किसी को अपनी पुस्तकें नहीं देता, लेकिन तुम्हारे पुस्तक-प्रेम के कारण यह दे रहा हूँ। रखना जरा सावधानी से, फटे नहीं, न ही खोए''

''जी नही, फटना और खोना तो दूर अगर कहीं दाग धब्बा भी लग जाए तो आप मुझे चाहे जो दंड दीजिए। यह पुस्तक मैं आपको बहुत जल्द लौटा दूँगा, ''अब्राहम ने जवाब दिया। वे पुस्तक लेकर प्रसन्नता से उछलते-कूदते घर की ओर चल दिए।